कान्हा मारण पूतना आयो

कान्हा मारण पूतना आयो:-

कान्हा मारण पूतना आयो,
जात कर्म संस्कार छठी दिन,
नन्द भवन पापी कंस पठायो,
कान्हा मारण ----------

धरि बेषो सुन्दर गोपिन को,
श्री श्यामहि अंक लिपटायो,
कान्हा मारण---------

विष लेपित स्तन तेहि धार्यो,
हरि मुख स्तनपान करायो,
कान्हा मारण----------

हरि मुस्कात पिबत धरि स्तन,
प्राण लेई यमलोक पठायो,
कान्हा मारण ----------

रचना आभार,: ज्योति नारायण पाठक
वाराणसी

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/17641/title/kanha-maran-putana-aayo

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |